हिन्दुस्तान

गलत इस्तेमाल की आशंका हो तो वर्चुअल आधार को चुनें : सौरभ गर्ग

साक्षात्कार

अगर किसी को लगता है कि उसके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल हो सकता है, तो वो इसके बजाय वर्चुअल आधार को पहचान पत्र के दस्तावेज के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानी यूआईडीएआई के सीईओ सौरभ गर्ग ने 'हिन्दुस्तान' के विशेष संवाददाता सौरभ शुक्ल के साथ बातचीत में कहा कि अपने आधार को सुरक्षित रखने के लिए लोगों को भी जागरूक होने की जरूरत है। पेश है उनसे बातचीत के मुख्य अंश :

■ आधार को फिर से सत्यापित करने का क्या औचित्य है ?

आधार को आए कई साल हो गए हैं। तब से अब तक लोगों के पते भी बदले होंगे। ऐसे में हमारी सलाह है कि लोग नजदीकी सेंटर पर जाकर आधार अपडेट करा लें। ताकि उनसे जुड़ी नवीनतम जानकारी (मोबाइल नंबर और पता आदि) अपडेट रहे। यह काम देश के सभी जिलों में हो रहा है। जिन्होंने 10 साल से कोई अपडेट नहीं कराया है, वो तो यो काम जरूर करें। पोर्टल, एम-आधार मोबाइल एप्लीकेशन या आधार के 60 हजार सेंटर पर यह काम आसानी से हो रहा है। अपडेट नहीं कराने वालों के बारे में अभी कुछ तय नहीं किया गया है।

■ आधार में पता बदलवाने में बहुत दिक्कतें आती हैं। इसे आसान क्यों नहीं बनाया जाता ?

इसके लिए हमने ऐसे कई विकल्प दिए हैं, जिनके जरिये लोग आधार कार्ड अपडेट करा सकते हैं। लोग सरकारी बैंक पास बुक, बिजली बिल, फोन के बिल, वोटर आईडी कार्ड, रेंट एग्रीमेंट जैसी 25-30 चीजों के जरिये अपडेट करा सकते हैं। हमारे पास जो फीडबैक आया है, उसमें लोगों को दिक्कत नहीं हो रही।

■ भुगतान के लिए भी आधार का इस्तेमाल हो रहा है। अभी कितने का लेनदेन इससे हो रहा है ?

आधार का इस्तेमाल केंद्र और राज्यों सरकारों की तरफ से चलाई जा रही करीब 1100 योजनाओं में हो रहा है। वहीं, आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के जरिये लोग बिना बैंक जाए रकम निकालते हैं। रोजाना करीब 7 करोड़ आधार आधारित लेनदेन होता है। इनमें से 40 फीसदी बैंकिंग पेमेंट के होते हैं। 20 फीसदी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के होते हैं।

■ लेन-देन में फ्रॉड के कितने मामले आते हैं ?

फ्रॉड के मामले कभी कभार ही देखने को मिलते हैं। देश में आधार

अभी कितने लोगों का आधार बनना बाकी है?

देश में लगभग सभी लोगों का आधार बन चुका है। अब जन्म के समय से ही आधार नंबर देने की व्यवस्था शुरू होने से ये काम और तेज हो गया है। अक्तूबर के अंत तक सभी आयु समूहों के बीच आधार परिपूर्णता स्तर 94.1 फीसदी है।

नकली आधार कार्ड बनने की शिकायतें बहुत आ रही हैं। इससे निपटने को क्या कर रहे हैं?

आधार कार्ड बनाने का फर्जीवाड़ा ज्यादातर फोटोशॉप के जरिए होता है। हमने इससे लिए आधार लेने वाले उन सभी संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वो क्यूआर कोड को स्कैन कर आधार पर नाम और उसे देने वाले की फोटो मैच करें। यदि यूजर को लगता है कि उसके आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल हो सकता है, तो वो इसकी जगह वर्चुअल आईडी दे सकता है।

व्यवस्था को चुस्त बनाने के लिए हम हर संभावित खतरे के हिसाब से अपने सिस्टम और तकनीक को अपडेट करते रहते हैं। हमने फर्जीवाड़ा रोकने के लिए आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक बनाई है, जिससे नकली उंगली के इस्तेमाल से लेनदेन संभव नहीं रह गया है।

■ आजकल बैंक आधार वेरिफिकेशन के जरिये क्रेडिट कार्ड देते हैं। क्या पैन लिंक होने के कारण आधार के साथ व्यक्ति की क्रेडिट हिस्ट्री भी जुड़ने लगी है ?

नहीं, आधार का ये मैंडेट नहीं है कि वो क्रेडिट हिस्ट्री को संभाले। हम ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं रखते। हमारे पास मेटा डेटा आते हैं, जिन्हें क्रेडिट हिस्ट्री के फॉर्मेट में हम नहीं रखते हैं।

■ क्या लोगों को ऑनलाइन आधार बनाने की सुविधा भी दी जाएगी ?

सीधे तौर पर ऑनलाइन आधार बनाना संभव नहीं। क्योंकि लोगों को आइरिस स्कैन और फिंगर प्रिंट स्कैन देना होता है। अभी ऑनलाइन केवल अपडेट की व्यवस्था दी गई है।

■ लोगों की शिकायत है कि अंगुलियां घिस जाने से वेरिफिकेशन में दिक्कत होती है। आइरिस मैचिंग की सुविधा हर जगह नहीं है। क्या ऐसी स्थिति में ओटीपी वेरिफिकेशन की कोई व्यवस्था है ?

हमने इसके लिए फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम शुरू किया है। आइरिस या फिंगर प्रिंट के काम न करने की वजह से चेहरे की पहचान से लोगों का ऑथेंटिकेशन हो जाता है। हालांकि, लोगों के गलत तरीके से उंगली रखने या फिर स्कैनर पुराना होने की वजह से ये दिक्कतें ज्यादा आती हैं। हालांकि, अब ये दिक्कतें काफी कम हो गई हैं।

■ आधार कार्ड का डेटा कितना सुरक्षित है ?

आधार का डेटा पूरी तरह सुरक्षित है। डेटा सेंटर के पूरे सिस्टम को फिजिकल के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये निगरानी की जाती है। सिस्टम में लोग समय-समय पर देखते रहते हैं कि क्या खतरे हैं और उसी हिसाब से अपडेट करते हैं। इससे जुड़ा डेटा लीक होना असंभव जैसा है। यूआईडीएआई लोगों को आधार लॉकिंग और बायोमेट्रिक लॉकिंग की सुविधा भी प्रदान करता है, जो आधार संख्या की अधिक सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करता है।